[Shri Vidya Charan Shukla]

settle ex-servicemen in NEFA, no ex-servicemen has yet actually been settled there so far."

12.42 hrs.

BUSINESS ADVISORY REPORT

Twenty-Fifth Report

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFRIRS AND COMMUNICATIONS (DR. RAM SUBHAG SINGH): Sir, I beg to move:

"That this House do agree with the Twenty-fifth Report of the Business Advisory Committee presented to the House on the 28th November, 1968."

MR. SPEAKER: The question is:

"That this House do agree with the Twenty-fifth Report of the Business Advisory Committee presented to the 20th November, 1968."

The motion was adopted.

12.42½ hrs.

STATE AGRICULTURAL CREDIT CORPORATIONS BILL—*Contd.*

MR. SPEAKER: House will now resume further discussion on the State Agricultural Credit Corporations Bill. Shri Randhir Singh may continue his speech. He has already taken 11 minutes.

श्री रणधीर सिंह (रोहतक) : अध्यक्ष महोदय, कल इस बिल पर बोलते हुए मैंने अर्ज किया था कि किसान देश का अन्नदाता है और किसान इस देश के 55 करोड़ लोगों का भगवान है। अगर हर रोज पार्लमेंट उस भगवान की जय बोलकर, किसान का नाम लेकर अपने काम को शुरू करे तो देश के लिए यह एक नेमत की बात होगी।

12.43 hrs.

[Mr. Deputy-Speaker *in the Chair*]

हफ्तकिश्वर जिससे हो तसकीर बे-तेगो-तफंग,
तू अगर समझे तो तेरे पास वह तूफां भी है।
तू ही नादान चन्द कलियों पर मतानत कर गयी,
वर्ना गुलशन में इलाजे-तंगी-ए-दामां भी है।
उठो मेरे दुनिया के गरीबों को जगा दो,
काखे उमरा के दरो-दीवार हिला दो।
जिस खेत से देहकान को मयस्सर न हो रोजी,
उस खेत के हर खोशा-ए-गन्दुम को जला दो ।।

डिप्टी स्पीकर महोदय, यह मेरी अर्ज नहीं है। यह कोई तरन्नुम या शायरी नहीं है बल्कि एक इनकलाब का नारा है जो कि रणधीर सिंह ने नहीं, शायरे मश्रिक मौलाना इकबाल ने आज से 50 साल पहले किसान के लिए लगाया था। मैं कहना चाहता हूं इन लीडरों से जिनकी चाहे लाल झंडी की लीडरी है, दीपक की लीडरी है, या सोशलिस्टों की आल इंडिया रेलवेमेन फेडरेशन की लीडरी है या हमारे भाई डी० एम० के० वालों की लीडरी है, इस सारे हिन्दुस्तान का काम किसान से ही चलता है। इस हाउस की जो रौनक है वह भी किसान की बदौलत है। वजीर, डिप्टी वजीर, मेम्बर और ये कारें, बंगले, एलाउन्स, ये बाबू और जो यहां बाजार की रौनक है, उस सब की जान किसान ही है। हिन्दुस्तान की जान किसान ही है और अगर किसान में खून नहीं, जान नहीं तो इस देश में भी जान नहीं। मैंने यह बात इसलिए कही कि इस हिन्दुस्तान की इमारत की जो बुनियाद है, उस बुनियाद को मजबूत बनाओ। इस देश की बेस इन्डस्ट्रीज नहीं हैं, इस देश की बेस एग्रीकल्चर है, किसान है। ये मुट्ठी भर चन्द लोग जो बार-बार कहा करते हैं कि इन्डस्ट्रीयलाइजेशन करो, इनको हिन्दुस्तान का पता नहीं है। पता नहीं हम लोग कहां चले जायेंगे? यह जो तीन हजार करोड़ रुपया लार्ज स्केल इन्डस्ट्रीज ऊपर बर्बाद कर दिया, उसके ऊपर सवा परसेन्ट का भी रिटर्न नहीं मिल रहा है। अगर यह तीन हजार करोड़ रुपया इस देश के